'हर घर जल' की दिशा में राजस्थान सरकार ने उठाया ऐतिहासिक कदम

'जल जीवन मिशन 2.0' के तहत एम.ओ.यू. करने वाला देश का पहला राज्य बना राजस्थान

जयपुर (कासं)। राजस्थान ने 'हर घर जल' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत नई गाइडलाइन्स के अनुसार भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के साथ एमओयू करने वाले देश के पहले राज्य बनने का गौरव

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया आभार**

प्राप्त किया है। यह एमओयू केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल की उपस्थिति में मंगलवार को जल शक्ति मंत्रालय, नई दिल्ली में हस्ताक्षिरत किया गया।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय मंत्री कन्हैया लाल की उपस्थिति में मंगलवार को 'जल जीवन मिशन 2.0' के तहत एमओयू हुआ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश की जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए इसके लिए केन्द्र सरकार से आग्रह किया था।

वहां से अनुमति मिलने के बाद यह एमओयू साइन किया गया है। यह एमओयू राज्य में जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

प्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस पहल के माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे विशेष रूप से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आएगा और दैनिक जीवन अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनेगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के विस्तारित स्वरूप को स्वीकृति मिलने के बाद मिशन को अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है।

यह एमओयू प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नल से स्वच्छ एवं नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने, सेवा गुणवत्ता में सुधार, समयबद्ध लक्ष्य प्राप्ति तथा पारदर्शिता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा सहित अन्य केन्द्रीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज करेंगे उद्योगपतियों से संवाद

- **इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन सहित तीन नई नीतियों का किया जाएगा अनावरण**
- **226 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास और 119 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का होगा लोकार्पण**

जयपुर। राजस्थान दिवस उपलक्ष्य में प्रदेशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के क्रम में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा बुधवार (18 मार्च) को उद्यमी संवाद समारोह का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उद्योगपतियों के साथ संवाद करेंगे। इस दौरान 3 नई नीतियों का अनावरण, विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास, लाभार्थियों को चेक, स्वीकृति पत्र, भूमि आवंटन पत्र सहित अन्य सौगातें भी दी जाएंगी।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में होने वाले इस आयोजन में मुख्यमंत्री राजस्थान इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान एयरोस्पेस एंड डिफेंस और राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी का अनावरण करेंगे। इसके अलावा रीको आद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास से जुड़े 119 करोड़ रुपये लागत के 40 कार्यों का लोकार्पण और 226 करोड़ रुपये के 46 कार्यों का शिलान्यास भी किया जाएगा।

शर्मा एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार और विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना के तहत लाभार्थियों को ऋण के चेक सौपेंगे। साथ ही, एमएसएमई नीति, निर्यात प्रोत्साहन नीति, आरएफसी की युवा उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र देंगे।

इस अवसर पर रीको के ऋण के स्वीकृति पत्र, जोधपुर-पाली-मारवाड़ और बूढ़ी बावल औद्योगिक क्षेत्रों के आरक्षण पत्र सहित लीज डीड और अलॉटमेंट लेटर भी प्रदान किए जाएंगे। वहीं, सीएसआर के तहत एसएमएस हॉस्पिटल और 'अपना घर' को डमी चेक भी दिए जाएंगे।

जयपुर कलक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी को मिला देश का सर्वोच्च राजकीय साहित्यिक सम्मान

राजस्थानी कहानी संग्रह 'भरखमा' को मिलेगा वर्ष 2025 का साहित्य अकादमी पुरस्कार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी को राजस्थानी भाषा में उनकी चर्चित कहानी संग्रह 'भरखमा' के लिए वर्ष 2025 का साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। देश की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष 24 मान्यता प्राप्त भारतीय भाषाओं में प्रकाशित उत्कृष्ट कृतियों को यह सर्वोच्च राजकीय साहित्यिक सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान के अंतर्गत एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि, प्रशस्ति-पत्र तथा प्रतीक-चिह्न प्रदान किया जाता है। साहित्य अकादमी पुरस्कार भारतीय साहित्य जगत का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है।

जयपुर कलैक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी की कृति "भरखमा"

साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कार की घोषणा के साथ ही राजस्थानी साहित्य जगत में प्रसन्नता और हर्ष का वातावरण व्याप्त हो गया है। विभिन्न साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों, पाठकों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने डॉ. सोनी को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए इसे राजस्थान और राजस्थानी भाषा के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि करार दिया है।

डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी एक कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ संवेदनशील और प्रतिबद्ध साहित्यकार के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। यही कारण है कि प्रशासनिक दायित्वों की व्यस्तताओं के बीच भी उन्होंने साहित्य सृजन की अपनी साधना को निरंतर जारी रखा है। उनकी लेखनी में समाज, लोकजीवन, मानवीय संवेदनाओं और समकालीन यथार्थ का सशक्त एवं प्रभावी चित्रण देखने को मिलता है।

राजस्थानी और हिन्दी दोनों भाषाओं में सक्रिय डॉ. सोनी कहानी, कविता, डायरी लेखन तथा अनुवाद के क्षेत्र में निरंतर सृजनरत हैं। अब तक उनकी 15 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिन्हें पाठकों और साहित्यिक समीक्षकों द्वारा व्यापक सराहना प्राप्त हुई है। उनकी रचनाओं में लोक संस्कृति की गहरी समझ, मानवीय संबंधों की सूक्ष्म संवेदनाएँ तथा सामाजिक यथार्थ का जीवंत चित्रण प्रतिबिंबित होता है। डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी की कहानी संग्रह 'भरखमा'

- **प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी साहित्य के क्षेत्र में भी लहराया परचम**

राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियों में गिनी जाती है। इस संग्रह की कहानियाँ ग्रामीण परिवेश, मानवीय रिश्तों, जीवन संघर्ष और सांस्कृतिक मूल्यों को अत्यंत मार्मिक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती हैं। इस कृति की लोकप्रियता का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि इसी कहानी पर आधारित राजस्थानी फिल्म 'भरखमा' का भी निर्माण किया जा चुका है, जिसने क्षेत्रीय सिनेमा और साहित्य दोनों को नई पहचान प्रदान की है।

डॉ. सोनी को इससे पूर्व भी साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में राजस्थानी कविता संग्रह 'रणखार' के लिए साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली का युवा पुरस्कार उन्हें प्राप्त हुआ था।

इसके अतिरिक्त हिन्दी कविता संग्रह 'रेगमाल' के लिए राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर का 'सुधींद्र पुरस्कार' तथा राजस्थानी कहानी संग्रह 'भरखमा' के लिए राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर का 'मुरलीधर व्यास राजस्थानी कथा साहित्य पुरस्कार' सहित कई महत्वपूर्ण सम्मान उन्हें मिल चुके हैं।

29 नवंबर 1981 को ग्राम धन्नासर, जिला हनुमानगढ़ (राजस्थान) में जन्मे डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी वर्तमान में जयपुर के जिला कलेक्टर के रूप में कार्यरत हैं। राजस्थानी और हिन्दी में कहानी, कविता और डायरी लेखन के साथ-साथ उन्होंने अनुवाद और संपादन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी अब तक 15 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने उम्मीदों के चिराग, रेगमाल (हिन्दी कविता संग्रह), रणखार (राजस्थानी कविता संग्रह), एडियोस (हिन्दी कहानी संग्रह), भरखमा (राजस्थानी कहानी संग्रह), यादावरी (हिन्दी डायरी), ओकुहेपा (हिन्दी यात्रा वृत्तांत), लगमात (राजस्थानी डायरी), म्हारै पांती रा पाना (पंजाबी से राजस्थानी अनुवाद), देहरा में आज ई उगै है आपणा रूंख (अंग्रेजी से राजस्थानी अनुवाद), भणाई रो मारग (गुजराती से राजस्थानी अनुवाद), निर्वाण (पंजाबी से हिन्दी अनुवाद), शब्दों की सीप, अड़तालीस कदम तथा सनागत (संपादन) के द्वारा अपनी साहित्यिक यात्रा को एक अनहद मुकाम पर ले जा रहे हैं।

डॉ. सोनी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से न केवल जयपुर जिले बल्कि समूचे राजस्थान को गौरव प्राप्त हुआ है। साथ ही यह सम्मान राजस्थानी भाषा और साहित्य की समृद्ध परंपरा को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री समेत वरिष्ठ मंत्रियों से की शिष्टाचार भेंट

उन्होंने राजस्थान के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न प्राथमिकताओं पर सार्थक चर्चा की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों तथा संगठन के शीर्ष नेतृत्व से शिष्टाचार भेंट कर राजस्थान के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न प्राथमिकताओं पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के लिए आवश्यक सहयोग एवं समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट कर प्रदेश की कानून-व्यवस्था, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास संबंधी विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से राजस्थान को विकास की नई ऊंचाइयों पर पंहुचने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, चिकित्सा के आधारभूत ढांचे के विस्तार तथा आयुष्मान भारत के प्रभावी क्रियान्वयन पर सकारात्मक चर्चा की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट कर राजस्थान के समावेशी विकास, आर्थिक प्रगति तथा आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के विषयों पर चर्चा की। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मिल रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से भेंट कर उन्हें जन्मदिवस की आत्मीय बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर 'राम जल सेतु लिंक परियोजना' तथा जल जीवन मिशन की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार का संकल्प है कि राजस्थान के अंतिम छोर तक प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ पेयजल की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी से भेंट कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण, उपभोक्ता हितों की सुरक्षा तथा अक्षय ऊर्जा के विस्तार पर विचार-विमर्श किया।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, अंतरराष्ट्रीय भाषाओं के शिक्षण तथा युवाओं के लिए रोजगारपरक शिक्षा के अवसर बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षित प्रदेश, उन्नत प्रदेश के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

नई दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री को भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संगठन के सशक्तीकरण एवं कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठन का मार्गदर्शन सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय और 'डबल इंजन सरकार' की प्रतिबद्धता के साथ राजस्थान में विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश में विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा और आमजन को इसका व्यापक लाभ मिलेगा।

'प्रगति रिपोर्ट पेश कर बताए मंडी अध्यक्ष की एफआईआर पर क्या जांच की?'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-18 ने मुहाना मंडी थाना पुलिस से 23 मार्च तक बताने को कहा है कि दो साल पहले मुहाना मंडी अध्यक्ष की ओर से दर्ज धोखाधड़ी की एफआईआर में अब तक क्या जांच की गई है। अदालत ने यह आदेश परिवादी पप्पू लाल कुम्हार के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता विकास सोमानी ने अदालत को बताया कि परिवादी मुहाना मंडी में फल व सब्जी का व्यापारी है और फल सब्जी संयुक्त व्यापार संघ का अध्यक्ष है। परिवादी के पास अप्रैल, 2017 में चौरडिया ग्रुप के मालिक विनय चौरडिया और अरिहंत एंटरप्राईजेज के अधिकृत प्रतिनिधि मनीष भंडारी और अरिहंत भंडारी आए और उनकी आवासीय योजना घर आंगन में फ्लैट बेचने में सहयोग मांगा और बुकिंग पर पांच फीसदी लाभांश देने का वादा किया। इसके बाद उन्होंने परिवादी के नाम से योजना के पंफलैट बंटवाए। इस दौरान करीब 132 लोगों ने परिवादी के जरिए योजना में बुकिंग कराई। वहीं बुकिंग कराने वालों को ऊंची दरों पर होम लोन दिलवाकर राशि अरिहंत एंटरप्राइजेज ने प्राप्त कर ली। जिसके ब्याज की किस्त बुकिंग कराने वाले जमा करा रहे हैं, जबकि उन्हें कहा गया था कि किस्त पजेशन के बाद शुरू होगी।

भर्ती परीक्षाओं में "डमी अभ्यर्थी" बैठाकर नौकरी पाने वाले 2 दबोचे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल के मामलों पर शिकंजा कसते हुए स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने राजस्थान लोकसेवा आयोग की वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) भर्ती-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास कराने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी ने इस प्रकरण में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- **एस.ओ.जी. ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) भर्ती-2022 को लेकर कार्रवाई की**

एसओजी के एडीजी विशाल बसंल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में भादुओं की बेरी निवासी अशोक कुमार विश्नोई शामिल है, जिसने अपनी जगह डमी अभ्यर्थी बैठाकर वरिष्ठ अध्यापक के पद पर चयन प्राप्त किया था। इसके साथ ही एक अन्य मामले में सुरतराम मीणा की जगह परीक्षा देने वाले विजयपाल विश्नोई को भी गिरफ्तार किया गया है।

जांच में सामने आया कि अशोक कुमार विश्नोई ने भर्ती परीक्षा के दोनों पेपर स्वयं नहीं दिए। सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय के पेपर में उसने हनुमानाराम को डमी अभ्यर्थी बनाकर परीक्षा दिलवाई थी। हनुमानाराम, जो स्वयं शिक्षक है, को एसओजी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मुकदमा दर्ज होने के बाद अशोक दो वर्षों से फरार चल रहा था, जिस पर गिरफ्तारी वारंट के साथ 5 हजार का इनाम घोषित था। इसी प्रकार जांच में यह भी खुलासा हुआ कि सुरतराम मीणा ने विज्ञान विषय के पेपर में महिपाल विश्नोई तथा सामान्य ज्ञान व शैक्षिक मनोविज्ञान के पेपर में विजयपाल विश्नोई को डमी अभ्यर्थी बनाया था। महिपाल को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि विजयपाल विश्नोई को अब दबोचा गया है। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित था। एसओजी के अनुसार भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी से जुड़े इस नेटवर्क की जांच जारी है और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राजपूताना रियासतों के ऐतिहासिक और प्रशासनिक महत्व के बहुमूल्य अभिलेखों की प्रदर्शनी शुरू

जयपुर। राजस्थान राज्य अभिलेखागार बीकानेर द्वारा 'राजपूताना की रियासतों के ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक महत्व के बहुमूल्य अभिलेख' विषय पर लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का शुभारम्भ उपमुख्यमंत्री तथा कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को किया। उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी के आमेर के मिर्जा राजा जयसिंह द्वारा पुत्र रामसिंह को लिखे पत्र का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में सवाई जयसिंह द्वारा (जयपुर शहर सन् 1727 ई. बसाने के दौरान) लिखे परवाना का भी अवलोकन किया। जिसमें व्यापारियों को व्यापार-

- **जवाहर कला केन्द्र की अलंकार दीर्घा में सुबह 10 बजे से रात 8 बजे निःशुल्क रहेगी प्रदर्शनी**

वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए व्यापारियों के मुखिया रामकिशन को परवाना भेजा गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को राज्य अभिलेखागार बीकानेर की प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के बाद अवलोकन किया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को राजस्थान राज्य अभिलेखागार बीकानेर के निदेशक चंद्रसेन सिंह शेखावत ने अवगत कराया कि प्रदर्शनी में वकील रिपोर्ट, हिंदू महासभा कोटपूतली के लिए जयपुर राज्य परिषद् द्वारा पारित रिजोल्यूसन, वकील रिपोर्टस्, खरीते, अर्जदारत, आदेश, परवाना को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में सन् 1885 ई. में जम्मू-कश्मीर के महाराजा के राज्याभिषेक पर उदयपुर महाराजा फतेहसिंह बहादुरजी को भेजा गया खरीता प्रदर्शित किया गया है। इसी प्रकार अलवर राज्य परिषद् द्वारा महिला शिक्षा पर विशेष बल संबंधित संकल्प भी इसी प्रदर्शनी में दिखाया गया है।

अलवर और भरतपुर राज्य के बीच रूपारेल नदी विवाद को सुलझाने के संबंध में किया गया एग्रीमेंट, झालावाड़ राज्य द्वारा बाल विवाह एक्ट सन् 1927 के तहत बेमेल विवाह को रोकने संबंधित आदेश, उदयपुर राज्य महाराणा सरूप सिंहजी द्वारा कोटा महाराव को सती प्रथा रोकने संबंधी (बड़े साहब के आदेश के तहत) आदेश की नकल इस प्रदर्शनी में रखी गई है। इन अभिलेखों के अलावा सभी 19 रियासतों के तत्कालीन नक्शे, राजचिह्न, इनके संस्थापकों और इनकी वंशावली संबंधित फोटो, सन् 1857 ई. की क्रांति (प्रथम स्वतंत्रता संग्राम) से संबंधित अति महत्वपूर्ण अभिलेख, बीकानेर स्टेट की ऊटों की सेना गंगा रिसाला संबंधित अभिलेख को प्रदर्शित किया गया है। डूंगरपुर-बांसवाड़ा राज्यों की पहाड़ी मानगढ़ पर सन् 1913 ई. में गोविन्द गुरू के नेतृत्व में हुए सम्मेलन पर ब्रिट्रिश सरकार द्वारा गोलियां चलाकर किया गया नरसंहार संबंधित ऐतिहासिक अभिलेख को प्रदर्शित किया गया।

चितौड़गढ़ के महाराणा प्रताप और अकबर के मध्य हुए हल्दीघाटी युद्ध सन् 1576 ई. के दौरान उनके घोड़े चेतक का घायल होना तथा उसकी मृत्यु पर महाराणा प्रताप द्वारा शोक संताप, गाँवों को भूमिदान देने संबंधित ताम्रपत्र को प्रदर्शित किया हैं।

वायसराय और गवर्नर-जनरल ऑफ इंडिया लॉर्ड लैंसडाउन (1888) का भरतपुर महाराज साहब को लिखा पत्र प्रदर्शित किया गया है। इसी प्रकार 1927 के हिंदी साहित्य सम्मेलन में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिका पत्र जैसे ऐतिहासिक दस्तावेज प्रदर्शनी में विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं। बीकानेर के पुस्तकालय में संधारित दुर्लभ पुस्तकों को भी प्रदर्शनी में आमजन के लिए प्रदर्शित किया गया है।

जिसमें रिपोर्ट राज मारवाड़ 1891, बीकानेर गोल्डन जुबली 1887-1937, थॉमस हेडली द्वारा लिखित रुलर्स ऑफ़ इंडिया एंड द चीफ ऑफ़ राजपूताना, द किंग एंड क्वीन इन इंडिया 1911-12, द प्रिंस इन इंडिया 1921-22, मेडिकल टोपोग्राफिकल अकाउंट ऑफ़ अजमेर राजपूताना - 1900 इत्यादि पुस्तके के भी प्रदर्शित की गई है। यह प्रदर्शनी सुबह 10 से रात 8 बजे तक जवाहर कला केंद्र में आमजन के लिए निःशुल्क रहेगी।

मारवाड़ ट्रैवल मार्ट पर मंथन

एफ.एच.टी.आर की ओर से मारवाड़ ट्रैवल मार्ट जोधपुर के आयोजन को लेकर इंटरैक्टिव बैठक की गई।

जोधपुर। फैडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफ.एच.टी.आर) ने पर्यटन विभाग के सहयोग से आगामी मारवाड़ ट्रैवल मार्ट जोधपुर के आयोजन को लेकर रणनीतिक इंटरैक्टिव बैठक की। यह पहल महाराजा गज सिंह के मार्गदर्शन में हुई, जिसका उद्देश्य मारवाड़, जोधपुर और पूरे थार क्षेत्र को एक प्रमुख वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह बैठक आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के लिए एक सशक्त मंच सिद्ध हुई, जहाँ सभी ने मिलकर इस महत्वपूर्ण आयोजन की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। मारवाड़ ट्रैवल मार्ट जोधपुर का उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भव्य परिदृश्य एवं उत्कृष्ट आतिथ्य परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करना है।

विशेष रूप से स्थानीय कला, लोक संस्कृति, पारंपरिक विरासत, ग्रामीण जीवन शैली एवं प्रामाणिक पर्यटन अनुभवों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया जाएगा। बैठक में एफ.एच.टी.आर. के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा, जोधाना होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स सोसाइटी के अध्यक्ष जे. एम. बूव, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़, ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ जोधपुर के अध्यक्ष गजराज सिंह शेखावत, एफ.एच.टी.आर. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह पचार, महासचिव तरुण बंसल, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह जोधा, राजेश सिंघवी, दीपक परिहार रघुवेन्द्र सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर व राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने मंगलवार को विभागीय समीक्षा में बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को लेकर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सभी बजट घोषणाएं तय समय में पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करें। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और आमजन से जुड़े मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई।

मंदिरों को पट्टे वितरण, जन समस्या समाधान शिविर, पंचायतों की नियमित मॉनिटरिंग और ऑनलाइन सिस्टम को मजबूत करने पर जोर दिया गया। साथ ही घुमंतु परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने नई पंचायतों के लिए भूमि एवं भवन की व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने, जल संरक्षण, स्वच्छता और पॉलिथीन पर रोक के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर भी विशेष जोर दिया गया।

उन्होंने वर्ष 2013 में जिला परिषदों द्वारा ली गई लिपिक भर्ती को एक सप्ताह में एसओजी को भेजने के निर्देश दिए।